

क) "सिद्धि हेतु स्वामी गए, यह गौरव की बात,
पर चोरी-चोरी गए, यहीं बड़ा व्याधात।

सखि वे मुझसे कहकर जाते,

कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ - बाधा ही पाते ?"

अथवा

"सावधान ! मेरी वीणा में चिनगारियाँ आन बैठी हैं ;

टूटी हैं मिजराबें युगलांगुलियाँ ये मेरी ऐठी हैं;

कंठी रुका जाता है, महानाश का गीत रुद्ध होता है;

आग लगेगी क्षण में हतल में, अब क्षुब्ध युद्ध होता है;।"

ख. "मुझे लगा मैं क्यू में नहीं हूँ उस सड़क पर हूँ जो दिल्ली जाती है जिस पर मैं चींटी की
चाल चल रहा हूँ। रेलगाड़ी दिल्ली अठारह घण्टे में पहुँचती है, मैं भी आरक्षण - खिड़की
तक अठारह घण्टे में ही पहुँचूँ।"

अथवा

"अपने प्रधानमंत्री देश के लिए दुःखी हैं; हँस नहीं सकते। हँसेंगे तो लोग कहेंगे
कि देश में ऐसी हालत है ? और अपना प्रधानमंत्री हँस रहा है। इससे विदेश में हमारी
छवि खराब होगी।"

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(२०)

च) 'शहीदों के प्रति अनन्य निष्ठा और श्रद्धा पुष्प की अभिलाषा कविता की मूल संवेदना है' -
स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बीन भी हूँ, मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' कविता की मूल संवेदना को अपने शब्दों में लिखिए।

छ. 'खरगोश के सींग' रचना का भाव स्पष्ट करते हुए रचना की मूल संवेदना लिखिए।

अथवा

'अंगद का पाँव' निबंध के संपूर्ण व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

प्र. ३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

(१०)

ट. 'हिमाद्री तुझ श्रृङ्ग से' कविता का राष्ट्रीय भाव।

अथवा

'हिमालय' कविता का आशय।

